विकसित कृषि संकल्प अभियान: किसानों के लिए नई राह

आईसीएआर-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, शिमला ने राज्य कृषि एवं बागवानी विभाग के साथ मिलकर राष्ट्रव्यापी "विकसित कृषि संकल्प अभियान" (29 मई - 12 जून 2025) का आयोजन किया। अभियान का समापन पंचायत मंडोर घाट, विकासखंड बसंतपुर, जिला शिमला (H.P.) में किया गया। इस अभियान में फसल विविधीकरण और आधुनिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा दिया गया। खरीफ फसल प्रबंधन, सब्जी उत्पादन और बागवानी के साथ PM-KISAN, RKVY, MIDH, PMFBY जैसी किसान कल्याणकारी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। वैज्ञानिक मक्की उत्पादन पर विशेष ध्यान दिया गया, जिसमें लाइन बोआई द्वारा बेहतर पैदावार और संसाधनों के उचित उपयोग की तकनीकें बताई गईं। ICAR कार्यक्रमों, आधुनिक कृषि तकनीकों एवं विकसित भारत अभियान के तहत मिट्टी परीक्षण और पोषक तत्व प्रबंधन पर जानकारी दी गई।

जलवायु सहिष्णु कृषि को बढ़ावा देने के लिए मिट्टी की गुणवत्ता सुधार, स्थायी फसल प्रबंधन और प्राकृतिक कीट नियंत्रण पर जोर दिया गया। संयुक्त कृषि-बागवानी प्रणाली और मिश्रित खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रेरित किया गया, जिसमें सब्जी फसलें, अनाज और पशुपालन को शामिल किया गया। इसके अतिरिक्त, मधुमक्खी पालन और अल्प-शीतकालीन सेब की किस्में जैसे अन्ना, गोल्डन डॉर्सेट की सुरक्षा हेतु एंटी -हेल नेट के उपयोग को बढ़ावा दिया गया। पीच लीफ कर्ल एफिड नियंत्रण के लिए संक्रमित पत्तियों की कटाई और नीम तेल का छिड़काव अपनाने की सलाह दी गई।

यह अभियान स्थायी और लाभदायक कृषि को बढ़ावा देकर किसानों को आधुनिक कृषि पद्धतियों एवं आर्थिक योजनाओं से जोड़ने का प्रयास है। यह कार्यक्रम नोडल अधिकारी: डा. कल्लोल कुमार प्रमाणिक, अध्यक्ष डॉ धर्म पाल, मधु पाटियाल (वरिष्ठ वैज्ञानिक), संतोष वाटपाडे (वरिष्ठ वैज्ञानिक), प्रिया कपिल (हॉर्टिकल्चर डेवलपमेंट ऑफिसर), यशपाल (कृषि विकास अधिकारी), मस्त राम (बागवानी विस्तार अधिकारी), राम चंदर (कृषि विकास अधिकारी), जितेंद्र कुमार (तकनीकी अधिकारी), बेग राम (सहायक प्रशासनिक सहायक), मोलक राम (वाहन चालक) के सहयोग से सफलता पूर्वक संपन्न हुआ।